International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 12 Issue 4, July.-August, 2024, Impact Factor: 8.376

नई शिक्षा नीति, 2020 के सिद्धान्तों व नवाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. तृप्ती सैनी[1], रेखा निठारवाल[2]

[1]असिस्टेंट प्रोफेसर, बियानी गर्ल्स बी. एड. कॉलेज, जयपुर
[2]बी. एड. एम. एड. छात्रा, बियानी गर्ल्स बी. एड. कॉलेज, जयपुर

सारांश

एक सुपरिभाषित सुनियोजित और प्रगतिशील शिक्षा नीति प्रत्येक देश के लिए आवश्यक है क्योंकि शिक्षा आर्थिक और सामाजिक प्रगति की आधारशिला है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जिसे 29 जुलाई 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है यह भारत की नई शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण को रेखांकित करती है नई शिक्षा नीति में स्कूली स्तर की शैक्षणिक संरचना को 10 + 2 के स्थान पर 5 + 3 + 3 + 4 की संरचना में विभक्त किया गया है इस नीति में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर अधिक जोर दिया गया है नहीं शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ शिक्षा में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक प्रतिस्पर्धा की योग्य बनाना है नई शिक्षा नीति में रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच के के साथ–साथ इसमें कौशल विकास और बहुविषयक शिक्षा पर अधिक जोर दिया गया है।

की वर्ड–नई शिक्षा नीति, सिद्धान्त, स्कूल शिक्षा व विश्वविद्यालय

प्रस्तावना

किसी भी देश की प्रगति के साथ–साथ उसके नागरिकों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण आधार माना गया है।शिक्षा एक बुनियादी आवश्यकता है जो कई वस्तुओं के लिए आधार तैयार करती है। यह मानव के विकास, समाज से समानता और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।शिक्षा वह साधन है जो मानव को प्राणी जगत के अन्य जीवों से अलग करती है। शिक्षा मानव को एक सामाजिक प्राणी बनाकर सांस्कृतिक धरोहर को आगे आने वाली पीढ़ी को हस्तान्तरित करने योग्य बनाती है।शिक्षा का शाब्दिक अर्थ होता है सीखने व सिखाने की क्रिया अर्थात् शिक्षा किसी भी समाज में निरन्तर चलने वाली सामाजिक प्रक्रिया है। इसके द्वारा मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास तथा व्यवहार को परिष्कृत किया जाता है। शिक्षा द्वारा ज्ञान व कौशल में वृद्धि कर मनुष्य को योग्य नागरिक बनाया जाता है।किसी भी राष्ट्र को उन्नत बनाने के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत में युवाओं की संख्या बहुत अधिक होने के कारण अगले दशक में भारत दुनिया का सबसे जनसंख्या वाला देश होगा इसलिए उन्हें उच्च शिक्षा देना बहुत जरूरी है। उन्हें गुणवत्तापूर्वक शैक्षिक अवसर प्रदान करना क्योंकि वे हमारे देश का भविष्य हैं।देखा गया है कि भारत में अधिकांश विद्यार्थियों का उच्च शिक्षण संस्थानों में नामाकंन या तो बहुत कम है या सीमित है क्योंकि अधिकांश छात्र सामाजिक–आर्थिक रूप से वंचित क्षेत्रों से आते है।

समस्या का औचित्य –

शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने, नवोन्मेष और शोध कार्य को बढ़ावा देने और शिक्षा का सार्वभौमिकरण करने के लिए नई शिक्षा नीति की आवश्यकता पड़ी।शिक्षा नीति में परिवर्तन स्कूली शिक्षा के सभी स्तर प्री–स्कूल से माध्यमिक स्तर तक सबके लिए एक समान पहुँच सुनिश्चित करने, नवोन्मेष व शोध की आवश्यकता व रट्टेदार शिक्षा के स्थान पर जीवन उपयोगी शिक्षा देने को ध्यान में रखकर इनका निर्माण किया गया है –राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का उद्देश्य भारत की शिक्षा व्यवस्था में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाना है। शिक्षा में सार्वजनिक

निवेश को बढ़ावा देना, प्रौद्योगिकी के उपयोग को सुदृढ़ बनाना, स्कूल और उच्च शिक्षा में छात्रों की मदद करने के लिए आवश्यक सुधार करना, शिक्षक प्रशिक्षण को मजबूत करना, परीक्षा प्रणाली में सुधार और 2030 तक एक समान और समावेशी शिक्षा प्रणाली को लागू करना।नई शिक्षा नीति में अनेक नए सिद्धान्त लक्ष्य व उद्देश्यों आदि का निर्धारण किया गया है जो पूरी तरह से पुरानी शिक्षा नीति, 1986 से पूरी तरह भिन्न है। अतः इन सबके बारे में विस्तार से वर्णन करने, उनके गुण–दोष आदि के बारे में विस्तार से वर्णन कने के लिए इस शोध या समस्या का चुनाव किया जाता है।

सम्बन्धित साहित्य :–

- **सुबधा डत, निरथा डत (2021)** –नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की प्रभावशीलता और प्रासंगिता के अवलोकन के साथ–साथ इसकी चुनौतियों, गुण, लाभ–हानि आदि का अध्ययन किया तथा विद्यालय स्तर से महाविद्यालय स्तर तक हुए बदलाव का अध्ययन किया तथा निष्कर्ष निकाला कि यह भविष्य की पारदर्शिता व समान कार्यान्वयन पर निर्भर करती है। यह शिक्षा नीति के सभी स्तरों पर हितधारकों के बीच सहयोग और समन्वयन की सिफारिश करती है।
- **डॉ० राहुल प्रताप सिंह कौख, प्रो० के.जी. सुरेश, डॉ० सुमित नरूला, ऋतुराज बहेर (2020)** –राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति लोगों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना तथा इसमें गुणात्मक शोध के माध्यम के द्वारा डाटा को ट्री–मैप व माइंड मैप के माध्यम से संसाधित किया और लोगों के दृष्टिकोण को ग्राफ के माध्यम से व्यक्त किया तथा अध्ययन के द्वारा निष्कर्ष निकाला की नई शिक्षा, 2020 के प्रति लोगों के दृष्टिकोण में सकारात्मक सह संबंध पाया गया है।
- **मृदुल माधव पंडित, राव मिन्नु पंडित्रान (2020)** –इनके द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 पर गुणात्मक अध्ययन किया। इसमें विश्वविद्यालय के विकास और नीतियों पर चर्चा की गई तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य, सिद्धांतों तथा सिद्धांतों का अध्ययन किया गया तथा स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के बदलाव पर व्याख्या की गई तथा अंत में निष्कर्ष में इसके क्रियान्वयन की रणनीतियों और सुझाव, सारांश आदि प्रस्तुत किए गए है।
- **पवन कल्याणी (2020)** –इस शोध का उद्देश्य (नई शिक्षा नीति) और हितधारकों (छात्र, अध्यापक) आदि पर इसके प्रभावों का अध्ययन किया तथा इसके हितधारकों पर भविष्य के प्रभाव को भी शामिल किया। इसने प्राथमिक डेटा अध्यापकों, छात्रों और अभिभावकों से प्राप्त किया तथा अध्ययन में देखा गया कि विषयों के चयन में छात्रों की खुद की पसंद होगी। छात्र डर्मेटोग्लिफिक्स के आधार पर विषयों का चयन कर सकते हैं। अतः निष्कर्ष के आधार पर इन्होंने बताया कि यह नीति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ाने में मदद करेगी। यह छम्च माता–पिता को अपने बच्चों की ताकत और कमजोरियों का अध्ययन करने के बाद बहु–विषयक विषयों के चयन में सुझाव और सिफारिश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- **ऐथल श्रीरामन और ऐथल शुभ्रज्योत्सना (2020)** –इस शोध के अध्ययन में पुरानी शिक्षा नीति, 1986 तथा नई शिक्षा के साथ इसके संबंध तथा इसकी मुख्य बातों को शामिल किया गया है। इसमें छम्च में प्रस्तावित नवाचार प्रयासों को भी अध्ययन में शामिल किया तथा इसके प्रभावों, लाभ आदि को इसमें शामिल किया गया है। इसमें शिक्षक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा तथा नीति संस्थानों पर नई शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन किया गया तथा अंत में नई शिक्षा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सैद्धान्तिमक सुझाव प्रस्तावित है।

शोध अन्तराल :–

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने प्रस्तुत शोध से संबंधित देश व विदेश में किए गए विभिन्न निष्कर्ष को कर रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है मृदुल माधव पंडित राव मिन्नू पंडित राम (2020) डॉ राहुल प्रताप सिंह कौरव प्रोफेसर के. जी (2020)पवन कल्याणी (2020) सुबधा एम.आर. और निरंथा, एम.आर..(2021) ऐथल श्री रमन और ऐथल शुभ्रा ज्योत्सना2021 आदि ने नई शिक्षा नीति के प्रति लोगों के दृष्टिकोण ,नई शिक्षा नीति की प्रभावशीलता और प्रासंगिकता गुण, लाभ, हानि तथा नई शिक्षा नीति और पुरानी शिक्षा नीति के बीच तुलनात्मक अध्ययन तथा नई शिक्षा नीति पर गुणात्मक अध्ययन आदि का अध्ययन किया है लेकिन नई शिक्षा नीति 2020 के सिद्धांतों और नवाचारों का अध्ययन नहीं किया गया है इसलिए नई शिक्षा नीति के सिद्धांतों और नवाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाए इसलिए इस समस्या का चुनाव किया गया है।

समस्या कथन –
नई शिक्षा नीति, 2020 के सिद्धान्तों व नवाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

शोध के उद्देश्य –

- नई शिक्षा नीति, 2020 के द्वारा दिए गए सिद्धांतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
- नई शिक्षा नीति, 2020 में शिक्षा में हुए नवाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

अनुसंधान विधि –
प्रस्तुत शोध कार्य में शोध विधि के रूप में विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक विधि का उपयोग करते हुए प्राथमिक व द्वितीय स्रोत के माध्यम से विश्लेषण किया गया है जिसमें प्राथमिक स्रोत के रूप में छम्च् 2020 के मूल पाठ तथा द्वितीयक स्रोत के रूप में शोध पत्र शोध पुस्तक के जर्नल्स आदि के द्वारा विश्लेषण किया गया है।

नई शिक्षा नीति, 2020 के सिद्धांतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

(1) बच्चों की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान व विकास करना
(2) बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सर्वाधिक प्राथमिकता देना
(3) लचीलापन और बहुविषयक
(4) अवधारणात्मक, रचनात्मकता और तार्किक सोच पर जोर
(5) नैतिक, संवैधानिक और मानवीय मूल्यों का विकास
(6) सीखने के लिए सतत मूल्यांकन पर जोर
(7) प्रौद्योगिकी/तकनीकी प्रयोग
(8) बहुभाषावाद
(9) समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
(10) गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कार्य को बढ़ावा देना

नई शिक्षा नीति, 2020 में शिक्षा में हुए नवाचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना

- शैक्षणिक संरचना में बदलाव
- एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (ABC½ का निर्माण
- Parakh' की स्थापना (राष्ट्रीय मूल्यांकन नियामक के रूप में)
- नेशनल रिसर्च फाउंडेशन; NRF) की स्थापना
- नियामक प्रणाली में परिवर्तन
- NETF की स्थापना
- FLN मिशन की स्थापना

शोध निष्कर्ष –
नई शिक्षा नीति 2020 में स्कूली व महाविद्यालय की शैक्षणिक संरचना में परिवर्तन किया गया है तथा इसमें बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर अधिक जोर दिया गया है तथा नई शिक्षा नीति में रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच के साथ–साथ यह कौशल विकास और बहुविषयक शिक्षा पर अधिक जोर देती है नई शिक्षा नीति में अनुसंधान तथा शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ–साथ तकनीकी और प्रौद्योगिकी और ई पाठ्यक्रम के विकास पर अधिक जोर दिया गया है

नई शिक्षा नीति का लक्ष्य 2030 तक सभी के लिए समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करना तथा जीवन पर्यंत सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना है इस नीति के तहत शिक्षा में अनेक नवाचार किए गए हैं जिसे आकलन के लिए परख की स्थापना शोध कार्य के लिए नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना आदि कार्य किए गए हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. https://www.ugc.gov.in/pdfnews/0144334_hindi_he-final-31072020.pdf
[2]. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_final_HINDI_0.pdf
[3]. Dr. Rahul Pratap Singh Kaurav, Prof K G Suresh, Dr. Sumit Narula, Ruturaj Baber. (2020), New Education Policy ;
[4]. Qualitative (contents) Analysis and Twitter Mining(Sentiment Analysis).Journal of content, community and communication, Vol.
[5]. 12, Year 6, December-2020, ISSN: 2395-7514. DOI: - 10.31620/JCCC.12.20/02.
[6]. Pawan Kalyani (2020) An Empirical Study on NEP 2020 [National Education Policy] with special reference to the future of Indian
[7]. Education System and its effects on the stakeholders; JMEIT. October 2020, DOI:-10.5281/ZENODO.4159546.
[8]. Aithal Sreeramana and Aithal Shubhrajyotsna (2020) https://mpra.ub.uni-muenchen.de/102549/ MPRA Paper No. 102549, posted
[9]. 26 Aug 2020 11:24 UTC
[10]. Mridul Madhav Panditrao, Minnu Panditrao (2020) National Education Policy 2020: What is in it for a student, a parent, a teacher,
[11]. or us, as a Higher Education Institution/University? https://www.researchgate.net/publication/346819976
[12]. Shubhada MR Nirantha MR (2021) International Journal of Research and Analytical Reviews (IJRAR), May 2021, Volume 8, Issue
[13]. E-ISSN 2348-1269, P- ISSN 2349-5138, www.Ijrar.org.